

व्राणिज्य में स्नातक (बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -136: आयकर विधान एवं व्यवहार

सत्रीय कार्य
2022-23

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2022 से 30th जून 2023



प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली -1100 68



वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -136: आयकर विधान एवं व्यवहार

सत्रीय कार्य 2022-23

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है ।
खण्ड - क में वर्णनात्मक पांच प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमशः 10 अंक के हैं । खण्ड - ख में पांच लघु प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमशः 6 अंक के हैं । खण्ड - ग में दो अतिलघु प्रश्न दिए गए हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमशः 10 अंक के हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं । सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें । सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है ।

1. वे छात्र जो दिसंबर 2022 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं , उन्हें 15 अक्टूबर 2022 तक जमा करवाना होगा ।
2. वे छात्र जो जून 2023 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं । वे उसको 15 मार्च 2023 तक जमा करवायें ।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा ।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	बी. सी. ओ. सी. -136
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	आयकर विधान एवं व्यवहार
सत्रीय कार्य का कोड	:	बी.सी.ओ.सी.-136/टी. एम. ए./2022 - 23
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

(इस खण्ड में पाँच प्रश्न हैं प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है)

1. आकस्मिक आय से क्या तात्पर्य है ? आयकर अधिनियम में आकस्मिक आय सम्बन्धी नियमों को बताइए। (10)
2. निम्न सूचनाओं से श्री आशीष की कर निर्धारण वर्ष 2022 -23 के लिए सकल कर योग्य वेतन की गणना कीजिए। (10)
मूल वेतन रु. 10,000 प्रतिमाह
मंहगाई भत्ता (सेवा की शर्तों के अधीन) रु. 5,000 प्रतिमाह
बोनस रु. 25,000
प्राप्त ग्रेच्युटी की कर योग्य राशि रु. 3,00,000
सेवा अवधि 35 वर्ष
सेवाकाल में ली गई छुट्टियाँ 25 माह
अर्जित अवकाश के नकदी करण की वास्तव में प्राप्त राशि. रु 1,50,000
3. वार्षिक मूल्य को परिभाषित कीजिए तथा मकान सम्पत्ति से आय निर्धारित करने के लिए वार्षिक मूल्य से दी जाने वाली कटौतियों का वर्णन कीजिए। (10)
4. प्रोफेसर आर. के. मित्तल की सकल आय 30,00,000 है जिसमे गत वर्ष 2021 -22 के दौरान 5 लाख रु. का दीर्घकालीन पूंजी लाभ शामिल है। उसने निम्नलिखित दान दिये। (10)
 - (i) राष्ट्रीय सुरक्षा कोष को 1,00,000 रु.
 - (ii) प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सहायता कोष को 70,000 रु.
 - (iii) मंदिर को ठीक कराने के लिए 1,60,000 रु. (अनुमोदित)
 - (iv) राजनितिक पार्टी को 90,000 रु.
 - (v) गरीब बच्चों को 70,000 रु. की कीमत की पुस्तकें
 - (vi) सार्वजनिक पुण्यार्थ संस्था को 100,000 रु.

(vii) उत्तर प्रदेश सरकार को परिवार नियोजन प्रोत्साहन कार्यक्रम के लिये 100,000 रु.

(viii) धारा 80 G के अंतर्गत कटौती की रकम की गणना कीजिए।

5. निम्न दी गई सूचनाओं से फर्म की कर निर्धारण वर्ष 2022-23 हेतु आय एवं देय कर की गणना कीजिए। (10)

	रु.
लघु स्तरीय औद्योगिक उपक्रम के लाभ	6,50,000
पशुपालन व्यवसाय से लाभ	2,20,000
अल्पकालीन पूंजी हानि	2,50,000
दीर्घकालीन पूंजी हानि	4,50,000
बैंक से ब्याज (सकल)	80,000
अनुमोदित दान योग्य संस्था को चेक द्वारा दान	1,30,000

खण्ड – ख

(इस खण्ड में पाँच प्रश्न हैं प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है)

6. मकान किरय भत्ते से संबंधित आयकर के प्रावधान को बताइए। (6)
7. गैर मान्यता प्राप्त भविष्य निधि के बारे में आयकर अधिनियम 1961 के क्या प्रावधान हैं? (6)
8. विभिन्न प्रकार की प्रतिभूतियों की चर्चा करें। करमुक्त व्यापारिक प्रतिभूति को सकल बनाये रखने के नियमों को समझाएं। (6)
9. फर्म के कर निर्धारण के संबंध में पुस्तक लाभ को उदाहरण सहित समझाइये। (6)
10. आईटीआर क्या है? आईटीआर दाखिल करने के लिए आवश्यक विभिन्न दस्तावेजों की सूची दें। (6)

खण्ड – ग

11. “गत वर्ष की आय पर कर – निर्धारण वर्ष में लगाया जाता है” व्याख्या कीजिए। (5)
12. एक हिन्दू अविभाजित कुटुंब को निवासी कहलाने के लिए किन – किन शर्तों को पूरा करना होता है? (5)
13. व्यापार अथवा पेशे के लाभ एवं प्राप्तियां शीर्षक में शामिल होने वाली पांच आयों को बताइए। (5)
14. आयकर अधिनियम में “पूंजी लाभ” से क्या आशय है? (5)